27 Apr. 2024

DAILY CURRENT AFFAIRS

By

Mentorship India

SOURCES

THE HINDU · pib · THE FINANCIAL EXPRESS · ET ECONOMIC TIMES.COM · live mint · AIR · The Indian EXPRESS JOURNALISM OF COURAGE

Date: 27 Apr. 2024

Important News Articles

1. सुप्रीम कोर्ट ने EVM का समर्थन किया, बैलेट पेपर की बहाली से इंकार किया - द हिंदू
2. IRDAI ने बीमा विस्तार की कीमत 1,500 रुपये प्रति पॉलिसी रखी - इंडियन एक्सप्रेस
3. NPS संपत्ति सालाना 27.85% बढ़कर ₹11.73 लाख करोड़ पहुंची- द हिंदू
4. सौर विकिरण की उपलब्धता वाले स्थानों को सौर पैनलों द्वारा बिजली घरों में परिवर्तित किया जा सकता है: IMD
5. यूनिवर्सल बैंक बनने हेतु SFB की कीमत 1,000 करोड़ रुपये होनी चाहिए: RBI -इंडियन एक्सप्रेस
6. विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट: छह सप्ताह के निचले स्तर पर - इंडियन एक्सप्रेस
7. IAF ने Su-30 MKI से एक अर्ध-बैलिस्टिक मिसाइल ROCKS का परीक्षण किया- द प्रिंट

Editorials, Gists and Explainers

8. इसरो ने हिमनद झीलों का विश्लेषण करने हेतु उपग्रह रिमोट-सेंसिंग का उपयोग किया - इंडियन एक्सप्रेस
9. वैश्विक प्लास्टिक संधि की आवश्यकता - इंडियन एक्सप्रेस
10. उपचारात्मक क्षेत्राधिकार से सम्बंधित मामला - द हिंदू

Quick Look

1. बौद्धिक दिव्यांगजन सशक्तिकरण राष्ट्रीय संस्थान(NIEPID)
2. पेमेंट गेटवे
3. नेफ्रोटिक सिंड्रोम
4. भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI)
5. पेमेंट एग्रीगेटर (PA)

महत्वपूर्ण समाचार लेख

सामान्य अध्ययन II

1. सुप्रीम कोर्ट ने EVM का समर्थन किया, बैलेट पेपर की बहाली से इंकार किया - द हिंदू

प्रीलिम्स टेकअवे
- बैलेट पेपर
- EVM

प्रासंगिकता: विभिन्न संवैधानिक निकायों की जिम्मेदारियाँ।

समाचार:
- **उच्चतम न्यायालय** ने हाल ही में मतदान की **इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (EVM) प्रणाली** को बरकरार रखा और **कागजी मतपत्रों** को **पुनर्जीवित** करने की **याचिका** को खारिज कर दिया।

मुख्य बिंदु:
- अदालत ने कहा कि किसी **संस्था** या **सिस्टम** पर "**ब्लाइंड डिस्ट्रस्ट** " अनुचित संदेह पैदा करता है और प्रगति में बाधा डालता है।
- **कोर्ट** ने यह भी कहा कि जब हम **चुनावी प्रक्रिया** की **अखंडता** पर सवाल उठाते हैं तो सावधानी और सावधानी बरतना जरूरी है
  - इससे **चुनावों** में **नागरिकों की भागीदारी** और **विश्वास कम** हो सकता है जो एक **स्वस्थ** और **मजबूत लोकतंत्र** के लिए आवश्यक है।
- इसने देश भर में सभी **EVM** और **VVPAT** के **क्रॉस-वेरिफिकेशन** की याचिका को भी खारिज कर दिया।
  - किसी भी **निर्वाचन क्षेत्र** में **EVM -VVPAT** की केवल **5% गिनती** को **यादृच्छिक रूप** से सत्यापित किया जाता है।
- अदालत ने **चुनाव आचरण नियमों** के **नियम 49 MA** को रद्द करने से इनकार कर दिया, जो एक मतदाता को गलत जानकारी प्रस्तुत करने के लिए **भारतीय दंड संहिता** की **धारा 177** के तहत दंडात्मक कार्यवाही का प्रावधान करता है, यदि डाले गए वोटों और गिने गए वोटों के बीच बेमेल की शिकायत साबित नहीं होती है।

बैलेट पेपर की जगह EVM क्यों?
- **कागजी मतपत्रों** के विपरीत, EVM **अवैध वोटों** की **बड़ी समस्या** को खत्म कर देता है क्योंकि मतदान एक बटन दबाकर किया जाता है।
- **EVM** ने वोट डालने की **दर** को **प्रति मिनट चार वोट** तक सीमित करके **बूथ कैप्चरिंग** को प्रभावी ढंग से समाप्त कर दिया है
- **EVM** कागज के उपयोग को कम करती है और **मतगणना प्रक्रिया** को तेज करके और **त्रुटियों** को कम करके **प्रशासनिक सुविधा** के साथ-साथ **तार्किक चुनौतियों** को कम करती है।

न्यायालय के मुख्य सुझाव:
- EC ने अपने हलफनामे में कहा कि **VVPAT पर्चियों** की **मैन्युअल** गिनती बोझिल है , इस प्रक्रिया में तेजी लाना मुश्किल है
  - अदालत ने सुझाव दिया कि **चुनाव आयोग** (EC) **VVPAT पेपर पर्चियों** की गिनती के लिए एक **"इलेक्ट्रॉनिक मशीन"** तैयार करने की संभावना तलाशे।
- अदालत ने यह भी सुझाव दिया कि **राजनीतिक दलों** की पहचान उनके प्रतीकों के साथ **यूनिक बार कोड** से की जा सकती है।
- **1 मई, 2024** से, **VVPAT** में **प्रतीकों** को **लोड** करने की प्रक्रिया समाप्त होने के बाद प्रतीक **लोडिंग इकाइयों** को **सील और सुरक्षित** कर दिया जाना चाहिए।
- छेड़छाड़ के किसी भी संदेह के मामले में 5% **EVM** के **माइक्रोकंट्रोलर** की जली हुई या अपलोड की गई मेमोरी को **EVM** निर्माताओं के इंजीनियरों की एक टीम द्वारा जांच और सत्यापित किया जा सकता है।
  - इस तरह की **कवायद** उन **उम्मीदवारों** के **लिखित अनुरोध** के आधार पर शुरू की जाएगी जो **वोट टैली** में **दूसरे या तीसरे स्थान** पर आए हैं।

सामान्य अध्ययन III

2. IRDAI ने बीमा विस्तार की कीमत 1,500 रुपये प्रति पॉलिसी रखी - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- IRDAI
- भारतीय रिजर्व बैंक

समाचार:
- **भारतीय बीमा नियामक** और **विकास प्राधिकरण (IRDAI) ने** देश के **ग्रामीण क्षेत्रों** के लिए अपने महत्वाकांक्षी **ऑल-इन-वन अफोर्डेबल मास प्रोडक्ट इनश्योरेंस** विस्तार की **कीमत 1,500 रुपये प्रति पॉलिसी** रखने का प्रस्ताव दिया है।

भारत का बीमा बाज़ार: विकास की गुंजाइश
- वैश्विक औसत से कम पहुंच
- भारत में **समग्र बीमा पेनेट्रेशन** (GDP के प्रतिशत के रूप में बीमा खर्च) पिछले वर्ष की तुलना में **वित्तीय वर्ष 2022-23** में थोड़ी कम हो गई।
- यह वैश्विक औसत से कम है।

बीमा घनत्व
- **पेनेट्रेशन** में गिरावट के बावजूद, एक **सकारात्मक संकेतक बीमा घनत्व** (कुल प्रीमियम को जनसंख्या से विभाजित) में वृद्धि है।
- इससे पता चलता है कि बीमा बाज़ार में बड़ी संख्या में लोग भाग ले रहे हैं।

बीमा ट्रिनिटी: बीमा पहुंच का विस्तार
- बीमा भागीदारी को और बढ़ाने के लिए, **भारतीय बीमा नियामक** और **विकास प्राधिकरण (IRDAI)** ने **बीमा ट्रिनिटी** पहल शुरू की है।
- इस **त्रि-आयामी दृष्टिकोण** का उद्देश्य **बीमा** पहुंच में सुधार करना है।
- **बीमा सुगम:** बीमा पॉलिसियों की तुलना, खरीदारी और प्रबंधन के लिए एक ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म।
- **बीमा वाहक** : महिलाओं के नेतृत्व वाला एक कार्यक्रम जो ग्रामीण समुदायों, विशेषकर महिलाओं को बीमा लाभों के बारे में शिक्षित करता है।
- **बीमा विस्तार:** इस लेख का फोकस, यह एक बंडल बीमा उत्पाद है जो एक ही पॉलिसी में जीवन, स्वास्थ्य, संपत्ति और दुर्घटना कवरेज प्रदान करता है।

बीमा विस्तार: किफायती सुरक्षा
- **बीमा विस्तार** को विशेष रूप से **वंचित क्षेत्रों** के लिए एक **सामाजिक सुरक्षा उत्पाद** के रूप में डिज़ाइन किया गया है।
- यह प्रत्येक जोखिम श्रेणी के लिए एक परिभाषित लाभ प्रदान करता है, जो सर्वेक्षक की भागीदारी के बिना तेजी से दावा **निपटान सुनिश्चित** करता है।

लाभ और संभावनाएँ
- **बीमा मध्यस्थों** और इसकी **सामर्थ्य** का **लाभ उठाकर,** बीमा विस्तार में पिछले कुछ **सूक्ष्म-बीमा** उत्पादों के विपरीत, **भारतीय आबादी** के एक **बड़े हिस्से तक पहुंचने** की क्षमता है।
- हालाँकि, इसकी **दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित** करने के लिए **लागत-लाभ विश्लेषण** की आवश्यकता है।

3. NPS संपत्ति सालाना 27.85% बढ़कर ₹11.73 लाख करोड़ पहुंची- द हिंदू

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- NPS और APY
- PFRDA

समाचार:
- नवीनतम **PFRDA** आंकड़ों से पता चलता है कि **राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (NPS) प्रबंधन** के तहत संपत्ति (AUM) में **27.85 प्रतिशत** की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई, जो **11.73 लाख करोड़** (9.17 लाख करोड़) है।

मुख्य बिंदु:
- **गैर-सरकारी क्षेत्र** से **9.47 लाख न**ए ग्राहक **NPS** से जुड़े हुवे है ।

- NPS परिसंपत्तियों में वृद्धि **इक्विटी बाजारों** में तेजी से प्रेरित हुई है।
- अधिक कामकाजी उम्र वाले **भारतीयों द्वारा सेवानिवृत्ति योजना** को गंभीरता से लेने के कारण **NPS ग्राहक आधार** का विस्तार हो रहा है।

NPS:

- सभी **ग्राहकों** के लिए **सेवानिवृत्ति** के बाद नियमित आय की सुविधा के लिए **भारत सरकार** द्वारा **राष्ट्रीय पेंशन** योजना **सेवानिवृत्ति लाभ योजना** शुरू की गई।
- **NPS** को **वर्ष 2004** में **लॉन्च** किया गया था।
- प्रारंभ में, **NPS** को नई **सरकारी भर्तियों** (सशस्त्र बलों को छोड़कर) के लिए पेश किया गया था।
- **वर्ष 2009** से, **स्वैच्छिक आधार** पर **असंगठित क्षेत्र** के **श्रमिकों सहित** देश के **सभी नागरिकों** के लिए **NPS** प्रदान किया गया है।
- स्थायी सेवानिवृत्ति खाता संख्या **(PRAN)** एक अद्वितीय **PRAN** है, जो प्रत्येक **ग्राहक** को आवंटित किया जाता है।
- **पोर्टेबिलिटी:** रोजगार, शहर या राज्य में बदलाव के बावजूद **NPS खाता** या **PRAN** वही रहेगा। इसका उपयोग **भारत** में किसी भी स्थान से किया जा सकता है।
- **PFRDA** (पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी) **NPS** के लिए **शासी निकाय** है।
- **व्यक्तिगत ग्राहकों** द्वारा किए गए योगदान को **सेवानिवृत्ति** तक संचित किया जाता है, और **बाजार** से जुड़े रिटर्न के माध्यम से **कॉर्पस वृद्धि** जारी रहती है। **ग्राहकों** के पास **सेवानिवृत्ति** से पहले इस **योजना** से बाहर निकलने या **सुपरएनुएशन** का विकल्प चुनने का भी विकल्प होता है।
- PRAN **दो व्यक्तिगत खातों** तक पहुंच प्रदान करेगा:
  - **टियर I खाता:** यह सेवानिवृत्ति के लिए बनाया गया एक गैर-निकासी योग्य खाता है।
  - **टियर II खाता:** यह केवल एक स्वैच्छिक बचत सुविधा है। ग्राहक जब चाहे इस खाते से बचत निकालने के लिए स्वतंत्र है। इस खाते पर कोई कर लाभ उपलब्ध नहीं है।

पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (PFRDA)

- यह **राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (NPS)** के **विनियमन, संवर्धन और व्यवस्थित विकास** को सुनिश्चित करने के लिए संसद द्वारा स्थापित **वैधानिक प्राधिकरण** है।
- यह **वित्त मंत्रालय** के अधीन काम करता है।

  कार्य:
  - यह विभिन्न मध्यवर्ती एजेंसियों जैसे **पेंशन फंड मैनेजर, सेंट्रल रिकॉर्ड कीपिंग एजेंसी (CRA)** आदि की नियुक्ति का कार्य करता है।
  - यह **NPS** के तहत **पेंशन** उद्योग का **विकास, प्रचार और विनियमन** करता है और **एपीवाई** का प्रबंधन भी करता है।

4. सौर विकिरण की उपलब्धता वाले स्थानों को सौर पैनलों द्वारा बिजली घरों में परिवर्तित किया जा सकता है: IMD

प्रीलिम्स टेकअवे

- SPV
- सौर ऊर्जा प्रतिबद्धता

प्रासंगिकता: नवीकरणीय ऊर्जा

समाचार:

- भारत **मौसम विज्ञान विभाग (IMD)** का सुझाव है कि **भारत में कई स्थानों** पर उपलब्ध **सौर विकिरण** की मात्रा जिसे **आर्थिक रूप** से **सौर पैनलों** द्वारा **बिजली** में **परिवर्तित** किया जा सकता है, चिंताजनक रूप से घटती प्रवृत्ति दिखा रही है।

मुख्य बिंदु:

- **पृथ्वी** पर उपलब्ध **सूर्य** के **प्रकाश** को **अवरुद्ध** करने में **एरोसोल** की भूमिका **वर्ष 1980** के दशक से स्पष्ट है, कई अध्ययनों से पता चला है कि **समय और स्थान** दोनों के साथ इसमें भिन्नताएं हैं।
- **वैश्विक सौर विकिरण** में **वर्ष 1981-2006** तक आम तौर पर कमी की प्रवृत्ति देखी गई, **वर्ष 1971-2000** में **वर्ष 1981-2006** की तुलना में अधिक कमी देखी गई।
  - हालाँकि, कुल मिलाकर, **वर्ष 2001** के बाद रुझानों में **उलटफेर** हुआ और **सटीक** कारण स्पष्ट नहीं हुए।
- **SPV** क्षमता, जो **पैनलों** द्वारा **बिजली** में **परिवर्तित** करने के लिए **व्यावहारिक रूप** से **उपलब्ध विकिरण** की मात्रा है, ने अध्ययन किए गए **स्टेशनों** में **सामान्य गिरावट** देखी है।

- **भारत** के सबसे **बड़े सौर पार्क,** विशेष रूप से **गुजरात** और **राजस्थान**, भी **SPV क्षमता** में कमी दिखा रहे हैं।
- आज तक, **भारत** की स्थापित **सौर ऊर्जा क्षमता** लगभग **81 गीगावॉट** (1 गीगावॉट 1,000 मेगावाट है) या कुल स्थापित बिजली का लगभग **17%** है।

सौर विकिरण घटने के कारण:

- **एयरोसोल लोड में वृद्धि-**
  - कार्बन उत्सर्जन, जीवाश्म ईंधन जलने, धूल और बादल से निकलने वाले बारीक कणों को इसके कारक कहा जाता है
- **एरोसोल सूर्य** के **प्रकाश** को **अवशोषित** करते हैं और इसे जमीन से दूर **विक्षेपित** कर देते हैं और वे घने **बादलों** का निर्माण भी कर सकते हैं जो फिर से **सूर्य** के **प्रकाश को अवरुद्ध** कर देते हैं।
  - **सौर पैनलों** की **कार्यक्षमता** उन पर पड़ने वाली **सूर्य** की **रोशनी** की मात्रा से काफी प्रभावित होती है।

सौर ऊर्जा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता:

- **भारत** की **वर्ष 2030** तक **गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों** से लगभग **500 गीगावॉट,** यानी अपनी बिजली की लगभग आधी आवश्यकता, प्राप्त करने की महत्वाकांक्षी योजना है।
- यह सुझाव देता है कि उस वर्ष तक **सौर ऊर्जा** से कम से कम 280 गीगावॉट या **वर्ष 2030 त**क सालाना कम से कम **40 गीगावॉट सौर क्षमता** जोड़ी जाएगी।
  - हालाँकि, पिछले **पाँच वर्षों** में, **सौर क्षमता मुश्किल** से **13 गीगावॉट** को पार कर पाई है।
- इस साल की **शुरुआत** में **सरकार** ने देश भर में कम से कम एक **करोड़ घरों** में छत पर **सौर ऊर्जा** स्थापित करने के लिए **वित्तपोषण** के लिए एक बड़ी पहल की भी घोषणा की है।

5. यूनिवर्सल बैंक बनने हेतु SFB की कीमत 1,000 करोड़ रुपये होनी चाहिए: RBI - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे

- SFB
- CRR और SLR

समाचार:

- **भारतीय रिजर्व बैंक (RBI)** ने कहा है कि **यूनिवर्सल बैंक** बनने के लिए **स्मॉल फाइनेंस बैंक (SFB)** की **न्यूनतम नेटवर्थ 1,000 करोड़** रुपये होनी चाहिए।

मुख्य बिंदु:

- **SFB** के पास **न्यूनतम पांच वर्षों** की अवधि के लिए प्रदर्शन का **संतोषजनक ट्रैक रिकॉर्ड** होना चाहिए।
- इन बैंक के शेयरों को किसी मान्यता प्राप्त **स्टॉक एक्सचेंज** में सूचीबद्ध किया जाना चाहिए
- **SFB** को पिछले **दो वित्तीय वर्षों** में **शुद्ध लाभ** भी होना चाहिए
- पिछले **दो वित्तीय वर्षों** में **सकल गैर-निष्पादित संपत्ति (GNPA)** और शुद्ध गैर-निष्पादित संपत्ति **(NNPA)** क्रमशः **तीन प्रतिशत** और **एक प्रतिशत** से कम या उसके बराबर है।

स्मॉल फाइनेंस बैंक (SFB)

- **भारत** में **SFB** आबादी के वंचित वर्गों को बुनियादी **बैंकिंग सेवाएं** और **ऋण सुविधाएं** प्रदान करने के लिए स्थापित बैंकों की एक श्रेणी है।
- जिसमें छोटे व्यवसाय के मालिक, सूक्ष्म और लघु उद्योग, किसान और असंगठित क्षेत्र शामिल हैं।
- RBI द्वारा विनियमित
- **CRR और SLR** के रखरखाव की आवश्यकता सहित मौजूदा **वाणिज्यिक बैंकों** पर लागू **RBI** के सभी विवेकपूर्ण **मानदंड** और **विनियम SFB** पर भी लागू होते हैं।
- **RBI** के अनुसार, यदि कोई **SFB** एक **सार्वभौमिक बैंक** में स्थानांतरित होने की इच्छा रखता है, तो उसके पास **न्यूनतम 5 वर्षों** की अवधि के लिए प्रदर्शन का संतोषजनक ट्रैक रिकॉर्ड होना चाहिए।
- **SFBs** के लिए न्यूनतम चुकता **वोटिंग इक्विटी पूंजी 200 करोड़** रुपये होगी
- **स्मॉल फाइनेंस बैंक (SFB)** को अपने कुल शुद्ध ऋण का **75% प्राथमिकता क्षेत्र** को ऋण देने के लिए आवंटित करना होता है।
- उन्हें अपनी कम से कम **25% शाखाएँ बैंक** रहित **ग्रामीण क्षेत्रों** में रखनी होंगी।
- **बैंकिंग विनियमन अधिनियम**, **1949** और **RBI अधिनियम, 1934** द्वारा शासित।

CRR और SLR:

- **CRR** -नकद आरक्षित अनुपात, और **SLR**-वैधानिक तरलता अनुपात।
- **CRR** और **SLR** दोनों ही **अर्थव्यवस्था** में **ऋण** की उपलब्धता को **विनियमित** और **नियंत्रित** करने के लिए **केंद्रीय बैंकों** के **मौद्रिक** नीति उपकरण हैं।
- CRR में, **वाणिज्यिक बैंकों** को **केंद्रीय बैंक** के पास एक **निश्चित न्यूनतम जमा राशि (NDTL)** आरक्षित रखनी होती है।
- **SLR जमा** का **न्यूनतम प्रतिशत** है जिसे एक **वाणिज्यिक बैंक** को **नकदी, सोना** या **अन्य प्रतिभूतियों** के रूप में बनाए रखना होता है

6. विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट: छह सप्ताह के निचले स्तर पर - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता : भारतीय अर्थव्यवस्था और योजना, संसाधन जुटाने, वृद्धि, विकास और रोजगार से संबंधित मुद्दे।

प्रीलिम्स टेकअवे
- विदेशी मुद्रा
- भारतीय रिजर्व बैंक

समाचार:
- **भारतीय रिजर्व बैंक (RBI)** के अनुसार, **भारत** का **विदेशी मुद्रा भंडार 2.282 बिलियन अमेरिकी डॉलर** घटकर **640.334 बिलियन अमेरिकी डॉलर** हो गया है।
- पिछले रिपोर्टिंग सप्ताह में भंडार **5.401 बिलियन अमेरिकी डॉलर** गिरकर **643.162 बिलियन अमेरिकी** डॉलर हो गया था।

मुख्य बिंदु:
- **वैश्विक घटनाओं** के कारण बने दबाव के बीच **केंद्रीय बैंक** ने रुपये की रक्षा के लिए पूंजी तैनात कर दी, जिससे रिजर्व पर असर पड़ा है।
- डॉलर के संदर्भ में व्यक्त, **विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों** में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए **यूरो, पाउंड** और **येन** जैसी **गैर-अमेरिकी इकाइयों** की सराहना या **मूल्यह्रास** का प्रभाव शामिल होता है।
- RBI ने कहा कि सोने के भंडार में बढ़ोतरी जारी रही और सप्ताह के दौरान यह **1.01 अरब अमेरिकी** डॉलर बढ़कर **56.808 अरब अमेरिकी डॉलर** हो गया है।

विदेशी मुद्रा भंडार
- **विदेशी मुद्रा भंडार** भी कहा जाता है, यह **केंद्रीय बैंक** द्वारा **विदेशी मुद्राओं** में रखी गई **आरक्षित संपत्ति** है।
- इनमें **विदेशी मुद्राएं, बांड, ट्रेजरी बिल** और अन्य **सरकारी प्रतिभूतियां शामिल** हो सकती हैं।
- **भंडार** को **अमेरिकी डॉलर** में दर्शाया और व्यक्त किया जाता है, जो इस **उद्देश्य** के लिए **अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा** है।
- भारतीय रिजर्व बैंक **भारत** में **विदेशी मुद्रा भंडार** का **संरक्षक** है।
- भारत के **विदेशी मुद्रा भंडार** में निम्नलिखित शामिल हैं
  - **विदेशी मुद्रा संपत्ति (FCA):** इन्हें अमेरिकी डॉलर, यूरो, पाउंड स्टर्लिंग, ऑस्ट्रेलियाई डॉलर और जापानी येन जैसी मुद्राओं में बनाए रखा जाता है।
  - **सोना**
  - **SDR (विशेष आहरण अधिकार)**: यह IMF के पास आरक्षित दावा है।
  - **RTP (रिजर्व ट्रेंच स्थिति)**: यह IMF के पास आरक्षित पूंजी है।

विदेशी मुद्रा के कार्य:
- उनका उपयोग अपनी स्वयं की जारी मुद्रा पर देनदारियों को वापस करने, विनिमय दर का समर्थन करने और **मौद्रिक नीति निर्धारित** करने के लिए किया जाता है।
- यह सुनिश्चित करने के लिए कि यदि उनकी **राष्ट्रीय मुद्रा** का तेजी से **अवमूल्यन** होता है या पूरी तरह से दिवालिया हो जाती है तो **RBI** के पास **बैकअप फंड** हैं।
- यदि **विदेशी मुद्रा** की मांग बढ़ने के कारण रुपये का मूल्य घट जाता है, तो RBI **भारतीय मुद्रा बाजार** में डॉलर बेचता है ताकि **भारतीय मुद्रा** के **मूल्यह्रास** को रोका जा सके।
- **विदेशी मुद्रा** के अच्छे भंडार वाला देश **अंतरराष्ट्रीय स्तर** पर एक अच्छी छवि का प्रतिनिधित्व करता है क्योंकि **व्यापारिक देश** अपने भुगतान के बारे में आश्वस्त होते हैं।

- एक अच्छा **विदेशी मुद्रा भंडार विदेशी व्यापार** को आकर्षित करने में मदद करता है और अच्छी प्रतिष्ठा अर्जित करता है।

रिज़र्व ट्रेनचे (IMF):

- **रिज़र्व ट्रेनचे मुद्रा** के **आवश्यक कोटा** का एक हिस्सा है जिसे प्रत्येक **सदस्य देश** को **अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)** को प्रदान करना होगा जिसका उपयोग **सेवा शुल्क** या **आर्थिक सुधार शर्तों** के बिना अपने स्वयं के उद्देश्य के लिए किया जा सकता है।

विशेष आहरण अधिकार (SDR)

- सदस्य देशों के मौजूदा भंडार के पूरक के लिए **अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)** द्वारा बनाई गई एक **अंतरराष्ट्रीय आरक्षित संपत्ति** है।
- **SDR** का मूल्य **अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं** की एक **बास्केट** पर आधारित है, जिसमें वर्तमान में **अमेरिकी डॉलर, यूरो, चीनी युआन, जापानी येन** और **ब्रिटिश पाउंड स्टर्लिंग** शामिल हैं।

7. IAF ने Su-30 MKI से एक अर्ध-बैलिस्टिक मिसाइल ROCKS का परीक्षण किया- द प्रिंट

प्रासंगिकता: विभिन्न सुरक्षा बल और एजेंसियां और उनका अधिदेश।

प्रीलिम्स टेकअवे
- बैलिस्टिक मिसाइल
- ROCKS

समाचार:

- हाल ही में, **भारतीय वायु सेना (IAF)** ने **Su-30 MKI** से एक **अर्ध-बैलिस्टिक मिसाइल - ROCKS** का परीक्षण किया।
- इसने **भारत** की अपनी **हवाई सीमा** को पार किए बिना **दुश्मन** के इलाके में अंदर तक निशाना लगाने की क्षमता में **उल्लेखनीय वृद्धि** दर्ज की।

मुख्य बिंदु

- यह **मिसाइल**, अगली **पीढ़ी** की विस्तारित **स्टैंड-ऑफ** हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइल है
  - **भारत की जरूरतों** को ध्यान में रखते हुए **इजरायली** रक्षा प्रमुख **राफेल एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम्स** द्वारा **डिजाइन और निर्मित** किया गया है।
- यह **मिसाइल स्पाइस श्रृंखला** की **मिसाइलों की क्षमताओं** का उपयोग करते हुए **हवा में लॉन्च** की जाने वाली **बैलिस्टिक मिसाइल लक्ष्यों** की **स्पैरो श्रृंखला** से एक **स्पिन-ऑफ** है।
- **मिसाइल** में इस्तेमाल होने वाले कई **घटकों** को **भारत से मंगाए** जाने के साथ, भारतीय वायुसेना **आत्मनिर्भर पहल** के तहत एक **बड़ा ऑर्डर** देने पर विचार कर रही है।
- **भारतीय वायुसेना** चाहती है कि **मिसाइलों** का **निर्माण** भारत में किया जाए।
- **अर्ध बैलिस्टिक** का मतलब है कि **मिसाइल नियमित हवा** से जमीन पर मार करने वाली **हथियार प्रणाली** की तरह फायर नहीं करती और काम नहीं करती।
- **विमान** का **पायलट मिसाइल** के **प्रक्षेप पथ** को **क्षैतिज या ऊर्ध्वाधर** भी चुन सकता है।
- इसे जमीन के ऊपर, या **भूमिगत**, और **GPS-अस्वीकृत** क्षेत्रों में **पिनपॉइंट सटीकता** के साथ भारी **किलेबंद लक्ष्यों** पर **उच्च मूल्य वाले स्थिर** और **स्थानांतरित** करने योग्य लक्ष्यों पर हमला करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- इसकी उड़ान की **बैलिस्टिक प्रकृति** के कारण, उड़ान के **अंतिम चरणों** के दौरान इसका **उच्च वेग** इसे लक्ष्य में गहराई तक घुसने में काफी मदद करेगा।
- संयोग से, इस **मिसाइल** का **इस्तेमाल इजरायली सेना** ने पिछले हफ्ते ईरान की **S-300 बैटरी** को निशाना बनाने के लिए किया था।
- स्वायत्त रूप से संचालन, और **भारी सुरक्षा** वाले सतह से हवा के **खतरों** के **क्षेत्रों** के बाहर एक विस्तारित **स्टैंड-ऑफ रेंज** पर **लॉन्च** किया गया
  - **ROCKS** में पारंपरिक **पोपाय** और **SPICE** हवा से सतह पर मार करने वाले **हथियारों** से **विरासत** में मिली **प्रौद्योगिकियों** को शामिल किया गया है।

एडिटोरियल, जिस्ट, एक्सप्लेनेर

8. इसरो ने हिमनद झीलों का विश्लेषण करने हेतु उपग्रह रिमोट-सेंसिंग का उपयोग किया - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: आपदा एवं आपदा प्रबंधन।

प्रसंग:

- इस सप्ताह की शुरुआत में, **भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो)** ने **भारतीय हिमालयी नदी घाटियों** के **जलग्रहण क्षेत्र** में **हिमनद झीलों** के विस्तार पर उ**पग्रह-डेटा-आधारित विश्लेषण** जारी किया।
- यह **हिमनद झीलों** पर किए गए अध्ययनों में से **नवीनतम** है जिसने **ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (GLOF)** के **जोखिमों और प्रभाव** को उजागर किया है।

इसरो का विश्लेषण	हिमनद झील (ग्लेशियल लेक)
• इसरो के विश्लेषण में हिमाच्छादित वातावरण में परिवर्तन का आकलन करने के लिए पिछले चार दशकों के उपग्रह डेटा अभिलेखागार को देखा गया। • भारत, नेपाल, तिब्बत और भूटान में फैले भारतीय हिमालयी नदी घाटियों के जलग्रहण क्षेत्रों को कवर करने वाली दीर्घकालिक उपग्रह इमेजरी वर्ष 1984 से लेकर वर्ष 2023 तक उपलब्ध है। • इसरो के आंकड़ों से हिमनद झीलों के आकार में उल्लेखनीय विस्तार का संकेत मिला है। • इसरो ने कहा कि 676 झीलों में से 130 भारत में सिंधु (65), गंगा (7) और ब्रह्मपुत्र (58) नदी बेसिन में स्थित हैं। • इन झीलों का विस्तार हुआ है क्योंकि ग्लोबल वार्मिंग के कारण ग्लेशियर तेजी से घट रहे हैं।	• ग्लेशियरों की गति से क्षरण होता है और आसपास की स्थलाकृति में अवसाद पैदा होता है। • जब ये पिघलते है तो पिघला हुआ पानी ऐसे गड्ढों में जमा होने लगता है, जिससे ग्लेशियर झीलों का निर्माण होता है। • इसरो ने हिमनद झीलों को उनके निर्माण के आधार पर हिमोढ़-बांधित, बर्फ-बांधित, अपरदन-आधारित, और 'अन्य' चार व्यापक श्रेणियों में वर्गीकृत किया है । • कटाव-आधारित झीलें तब बनती हैं जब पानी कटाव-निर्मित अवसादों द्वारा अवरुद्ध हो जाता है। • "GLOF तब होता है जब प्राकृतिक बांध के टूटने के कारण ग्लेशियल झीलें बड़ी मात्रा में पिघले पानी को छोड़ती हैं, जिसके परिणामस्वरूप नीचे की ओर अचानक और गंभीर बाढ़ आ जाती है। **हिमानी झीलों की निगरानी के लिए सैटेलाइट रिमोट-सेंसिंग तकनीक का उपयोग कैसे किया जाता है?** • ऊबड़-खाबड़ इलाका होने के कारण हिमालय क्षेत्र में हिमनदी झीलों और उनके विस्तार की निगरानी चुनौतीपूर्ण है। • इसरो के अनुसार, यहीं पर उपग्रह रिमोट-सेंसिंग तकनीक "अपनी व्यापक कवरेज और पुनरीक्षण क्षमता के कारण निगरानी के लिए एक उत्कृष्ट उपकरण साबित होती है"।

हिमनद झीलों से उत्पन्न खतरों को कैसे कम किया जा सकता है?

- **वर्ष 2023** में, **जर्नल ऑफ जियोफिजिकल रिसर्च में प्रकाशित** एक अध्ययन ने **हिमाचल प्रदेश** में **4,068** मीटर की ऊंचाई पर स्थित **घेपन गाथ झील** से **लाहौल घाटी** के **सिस्सू** तक उत्पन्न खतरों की जांच की, और झील में जल स्तर कम होने के प्रभावों का मॉडल तैयार किया।
- इसमें पाया गया कि **झील** के स्तर को **10 से 30 मीटर** तक कम करने से **सिस्सु शहर** पर प्रभाव काफी हद तक कम हो जाता है, हालांकि **GLOM** घटना से उत्पन्न **जोखिम** पूरी तरह से समाप्त नहीं होते हैं।

9. वैश्विक प्लास्टिक संधि की आवश्यकता - इंडियन एक्सप्रेस

प्रासंगिकता: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और गिरावट, पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन।

प्रसंग:

- **माउंट एवरेस्ट** की चोटी से लेकर **प्रशांत महासागर** के तल तक, **जानवरों** और **पक्षियों** के शरीर के अंदर, और **मानव रक्त** और **दूध** में, **प्लास्टिक कचरा** हर जगह है।
- **प्लास्टिक प्रदूषण** पर अंकुश लगाने के लिए पहली **वैश्विक संधि** के संबंध में बातचीत शुरू करने के लिए **175 देशों** के **हजारों वार्ताकार** और **पर्यवेक्षक** कनाडा के ओटावा पहुंचे।
- **संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा 2024** के अंत तक **प्लास्टिक प्रदूषण** पर कानूनी रूप से **बाध्यकारी संधि** विकसित करने पर सहमत हुई।

वैश्विक प्लास्टिक संधि की आवश्यकता	**संधि में बाधाएँ**
• वर्ष 1950 के दशक के बाद से, दुनिया भर में प्लास्टिक का उत्पादन आसमान छू गया है। • यदि अनियंत्रित छोड़ दिया गया, तो उत्पादन वर्ष 2050 तक दोगुना और वर्ष 2060 तक तिगुना हो जाएगा। • हालाँकि प्लास्टिक एक सस्ती और बहुमुखी सामग्री है, जिसके कई प्रकार के अनुप्रयोग हैं, लेकिन इसके व्यापक उपयोग ने संकट पैदा कर दिया है। • इस प्लास्टिक कचरे का अधिकांश भाग पर्यावरण में लीक हो जाता है, विशेषकर नदियों और महासागरों में, जहाँ यह छोटे कणों (माइक्रोप्लास्टिक या नैनोप्लास्टिक) में टूट जाता है। • प्लास्टिक कचरा पर्यावरण में लीक हो जाता है और इसका एक बड़ा हिस्सा समुद्र में चला जाता है। • आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD) की एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2019 में, प्लास्टिक ने 1.8 बिलियन टन GHG उत्सर्जन उत्पन्न किया जो वैश्विक उत्सर्जन का 3.4% है। **संधि में क्या शामिल हो सकता है?** • हालाँकि संधि के किसी भी विवरण को फिलहाल अंतिम रूप नहीं दिया गया है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों में प्लास्टिक उत्पादन पर रोक लगाने से भी आगे बढ़ सकती है। • यह संधि प्लास्टिक में कुछ रसायनों के परीक्षण को अनिवार्य कर सकती है।	• नवंबर 2022 में उरुग्वे में पहले दौर की वार्ता के बाद से, सऊदी अरब, रूस और ईरान जैसे तेल उत्पादक देशों ने प्लास्टिक उत्पादन की सीमा का विरोध किया है, और रचनात्मक बातचीत को पटरी से उतारने के लिए असंख्य विलंब रणनीति (जैसे प्रक्रियात्मक मामलों पर बहस) का उपयोग कर रहे हैं। • उदाहरण के लिए, जर्नल नेचर में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, देशों को अभी यह तय करना बाकी है कि प्लास्टिक संधि पर आम सहमति से सहमति होगी या बहुमत से होगा । • अमेरिका HAC में शामिल नहीं हुआ है • "99% प्लास्टिक जीवाश्म ईंधन से प्राप्त होता है, और जीवाश्म ईंधन उद्योग प्लास्टिक और पेट्रोकेमिकल्स को जीवन रेखा के रूप में रखता है। • विश्लेषण में कहा गया है कि रासायनिक और जीवाश्म ईंधन उद्योग प्लास्टिक उत्पादन में कटौती का विरोध करते हैं, यह झूठा दावा करते हैं कि प्लास्टिक संकट प्लास्टिक समस्या नहीं है, बल्कि अपशिष्ट समस्या है। • ऐसी बाधाओं के कारण ही पिछले तीन दौर की वार्ताएँ संधि के संबंध में महत्वपूर्ण प्रगति करने में विफल रही हैं।

10. उपचारात्मक क्षेत्राधिकार से सम्बंधित मामला - द हिंदू

प्रासंगिकता: न्यायपालिका की कार्यप्रणाली

समाचार:

- **सुप्रीम कोर्ट** ने पहली बार किसी **उपचारात्मक याचिका** में किसी **मध्यस्थ फैसले** को **खारिज** कर दिया।

मुख्य बिंदु:	उपचारात्मक क्षेत्राधिकार से संबंधित समस्याएँ:

• हालिया मामला दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन और दिल्ली एयरपोर्ट मेट्रो एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड से जुड़ा है।
• सुरक्षा चिंताओं और बाद में मध्यस्थता के कारण अनुबंध समाप्ति पर केंद्रित विवाद।
• न्यायालय का मध्यस्थता में न्यूनतम हस्तक्षेप के अपने रुख से विचलन।
उपचारात्मक(क्यूरेटिव) क्षेत्राधिकार
• सर्वोच्च न्यायालय ने वर्ष 2002 में उपचारात्मक क्षेत्राधिकार की शुरुआत की है ।
• यह अपने निर्णयों को, उनके अंतिम हो जाने के बाद, सुधारने की शक्ति है।
  ◦ यह भारतीय कानून के तहत समीक्षा की शक्ति से अलग है, जो सभी अदालतों को उनके रिकॉर्ड से स्पष्ट त्रुटियों को सुधारने में सक्षम बनाता है।
• उपचारात्मक क्षेत्राधिकार का अर्थ केवल न्यायालय द्वारा कानून की स्थिति पर अपना दृष्टिकोण बदलना नहीं है, बल्कि किसी विशिष्ट मामले में न्यायालय का अपना दृष्टिकोण बदलना है , जो समीक्षा की शक्ति से भी ऊपर और परे है।
• सुधारात्मक याचिकाओं की सुनवाई आम तौर पर सुप्रीम कोर्ट के तीन वरिष्ठतम न्यायाधीशों वाली पीठ द्वारा की जाती है और केवल असाधारण मामलों में ही विचार किया जाता है, जहां याचिकाकर्ता यह स्थापित कर सकता है कि न्याय का घोर पतन हुआ है।
• इस शक्ति का उद्देश्य न्यायिक प्रक्रिया की अखंडता को बनाए रखना और यह सुनिश्चित करना है कि उन मामलों में भी न्याय मिले जहां मूल निर्णय में कोई चूक या त्रुटि हुई है।
	• उपचारात्मक क्षेत्राधिकार प्रभावी रूप से सर्वोच्च न्यायालय है जो अपनी गलतियों को सुधारना चाहता है।
	  ◦ हालाँकि अपनी गलतियों को सुधारने में योग्यता है, एक संस्था जो देश की न्यायपालिका को रेखांकित करती है और जो संविधान की अंतिम व्याख्याकार है, उसे व्यक्तिगत मामलों में त्रुटियों से परे देखना चाहिए।
	• सर्वोच्च न्यायालय कानून का प्रकाश स्तंभ है, हम उम्मीद करते हैं कि यह एक ध्रुव तारे की तरह होगा। किसी व्यक्ति के लिए अपने निर्णयों पर दोबारा विचार करना अच्छा है, लेकिन कानून घोषित करने वाली संस्था के लिए यह अच्छा नहीं है।
	• बदलते रुझानों के आधार पर आगे-पीछे झूलने वाले सुप्रीम कोर्ट में दृढ़ता और गंभीरता का अभाव है, जिसे हम अंतिम उपाय की अदालत के लिए मौलिक मानते हैं।

Mentorship India

फैक्ट फटाफट

1. बौद्धिक दिव्यांगजन सशक्तिकरण राष्ट्रीय संस्थान(NIEPID)

- NIEPID (पूर्व में मानसिक रूप से विकलांगों के लिए राष्ट्रीय संस्थान), वर्ष 1984 में स्थापित, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के विकलांग व्यक्तियों (दिव्यांगजन) सशक्तिकरण विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक स्वायत्त निकाय है।
- यह राष्ट्रीय हित में बौद्धिक विकलांग व्यक्तियों (दिव्यांगजनों) को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने के लिए समर्पित है।
- यह देश में बौद्धिक विकलांगता के क्षेत्र में प्रशिक्षण, अनुसंधान और सर्वेक्षण के लिए कार्य करने वाली सर्वोच्च संस्था है।
- संस्थान का मुख्यालय सिकंदराबाद, तेलंगाना में है और इसके क्षेत्रीय केंद्र कोलकाता, नवी मुंबई और नोएडा में हैं।

2. पेमेंट गेटवे

- यह एक सॉफ्टवेयर सेवा है जो आपके बैंक खाते को उस प्लेटफॉर्म से जोड़ती है जहां आपको अपना पैसा ट्रांसफर करना होता है।
- यह आपको नेट बैंकिंग, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, UPI, या अन्य ऑनलाइन वॉलेट जैसे विभिन्न भुगतान तरीकों के माध्यम से ऑनलाइन लेनदेन करने के लिए अधिकृत करता है।
- पेमेंट गेटवे एक तीसरे पक्ष की भूमिका निभाता है जो आपके पैसे को बैंक खाते से व्यापारी के भुगतान पोर्टल पर सुरक्षित रूप से स्थानांतरित करता है।

3. नेफ्रोटिक सिंड्रोम

- यह एक किडनी विकार है जिसके कारण आपका शरीर आपके मूत्र में बहुत अधिक प्रोटीन उत्सर्जित करता है।
- यह आमतौर पर आपके गुर्दे के फिल्टर (ग्लोमेरुली) की समस्या के कारण होता है।
- गुर्दे नेफ्रॉन नामक फ़िल्टरिंग इकाइयों के माध्यम से आपके रक्त से अपशिष्ट और अतिरिक्त तरल पदार्थ को हटा देते हैं।
- प्रत्येक नेफ्रॉन में एक फिल्टर (ग्लोमेरुलस) होता है, जो आपके रक्त से अपशिष्ट और अतिरिक्त तरल पदार्थ को निकालता है और उन्हें मूत्र के रूप में आपके मूत्राशय में भेजता है।
- सामान्य अपशिष्ट उत्पादों में नाइट्रोजन अपशिष्ट (यूरिया), मांसपेशी अपशिष्ट (क्रिएटिनिन), और एसिड शामिल हैं।
- स्वस्थ किडनी में, ग्लोमेरुली अपशिष्ट उत्पादों को फ़िल्टर करता है।
- ये आपके रक्त को उन कोशिकाओं और प्रोटीन को बनाए रखने की अनुमति देते हैं जिनकी आपके शरीर को नियमित रूप से कार्य करने के लिए आवश्यकता होती है।

4. भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI)

- यह भारत में बीमा और पुनर्बीमा उद्योग को विनियमित और विकसित करने में शामिल एक शीर्ष नियामक संस्था है।
- इसका गठन बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण अधिनियम 1999 के प्रावधानों के अनुसार एक वैधानिक निकाय के रूप में किया गया था।
- यह निकाय मल्होत्रा समिति की रिपोर्ट की सिफारिशों पर बनाया गया था।
- भारत में बीमा व्यवसाय चलाने की इच्छुक सभी कंपनियों को IRDAI के साथ पंजीकृत होना होगा।

5. पेमेंट एग्रीगेटर (PA)

- पेमेंट एग्रीगेटर (जिसे मर्चेंट एग्रीगेटर के रूप में भी जाना जाता है) एक तृतीय-पक्ष सेवा प्रदाता है जो व्यापारियों को ग्राहकों को अपनी वेबसाइटों या ऐप्स में एकीकृत करके उनसे भुगतान स्वीकार करने की अनुमति देता है।
- पेमेंट एग्रीगेटर अपने ग्राहकों को डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, कार्डलेस EMI, UPI, बैंक ट्रांसफर, ई-वॉलेट और ई-जनादेश जैसी विभिन्न भुगतान विधियों को स्वीकार करने में सक्षम बनाते हैं।
- पेमेंट एग्रीगेटर व्यापारियों को विभिन्न भुगतान विधियां उपलब्ध कराता है, ताकि उनके ग्राहक अपनी पसंदीदा भुगतान विधि का उपयोग करके भुगतान कर सकें।
- इसके अलावा, भुगतान एग्रीगेटर फंड निपटान भी करता है, अर्थात यह बैंकों और अन्य जारीकर्ता संस्थाओं से धन को व्यापारियों तक पहुंचाता है।

प्रीलिम्स ट्रैक

Q1. निम्नलिखित कथन पर विचार करें

1. EVM के आने से बूथ कैप्चरिंग में बढ़ोतरी हुई है
2. किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में केवल 10% EVM-VVPAT की गणना यादृच्छिक रूप से सत्यापित की जाती है।
3. वोटर वेरिफ़िएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (VVPAT) इकाइयों को मतपेटियों में डालने से पहले मतदाताओं को सौंप दिया जाता है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q2. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

कथन I: भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण वित्त मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र के तहत एक स्वायत्त और वैधानिक निकाय है।

कथन II: बीमा गतिविधियों को झंझट रहित बनाने के लिए IRDAI सामान्य और जीवन बीमा कंपनियों के साथ मिलकर बीमा ट्रिनिटी लॉन्च करने की भी योजना बना रहा है।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

A. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
B. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
C. कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है
D. कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है

Q3. निम्नलिखित में से कौन सी भारतीय पेंशन योजना विशेष रूप से असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए बनाई गई है?

1. राष्ट्रीय पेंशन योजना (NPS) - स्वालंबन
2. अटल पेंशन योजना (APY)
3. पीएम श्रम योगी मन धन

उपरोक्त में से कितने विकल्प सही है/हैं

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q4. निम्नलिखित कथन पर विचार करें

1. SPV क्षमता सौर पैनलों द्वारा बिजली में परिवर्तित करने के लिए उपलब्ध विकिरण की मात्रा है।
2. भारत की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता लगभग 125 गीगावॉट है।
3. हाल के दिनों में सौर विकिरण में कमी देखी जा रही है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q5. भारतीय लघु वित्त बैंकों (SFB) और भारत में बैंकिंग प्रणाली के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

1. भारत में लघु वित्त बैंकों को मुख्य रूप से वंचित संस्थाओं की बैंकिंग जरूरतों को पूरा करने का आदेश दिया गया है
2. भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) लघु वित्त बैंकों के कामकाज को विनियमित और पर्यवेक्षण करता है।
3. सभी लघु वित्त बैंकों को अपने उत्पाद पेशकश के हिस्से के रूप में क्रेडिट कार्ड जारी करने और संपत्ति के बदले ऋण प्रदान करने की अनुमति है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q6. किसी देश के केंद्रीय बैंक द्वारा प्रबंधित विदेशी मुद्रा भंडार का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?

1. विदेशी मुद्रा बाजार में घरेलू मुद्रा के मूल्य को स्थिर करना।
2. सार्वजनिक बुनियादी ढांचे पर सरकारी व्यय को निधि देना।
3. विदेशी व्यापार को सक्षम बनाना और विदेशी निवेश को प्रोत्साहित करना।

उपरोक्त में से कितने विकल्प सही है/हैं

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q7. अर्ध-बैलिस्टिक मिसाइल - ROCKS के बारे में निम्नलिखित पर विचार करें

1. यह मिसाइल, अगली पीढ़ी की विस्तारित स्टैंड-ऑफ हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइल है
2. यह मिसाइल स्पाइस श्रृंखला की मिसाइलों की क्षमताओं का उपयोग करते हुए हवा में लॉन्च की जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइल लक्ष्यों की स्पैरो श्रृंखला से एक स्पिन-ऑफ है।
3. अर्ध बैलिस्टिक का मतलब है कि मिसाइल नियमित हवा से जमीन पर मार करने वाली हथियार प्रणाली की तरह फायर नहीं करती और काम नहीं करती।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q8. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

कथन I : ग्लेशियर की गति के कारण कटाव से बने गड्ढों में पिघला हुआ पानी जमा होने लगता है, जिससे ग्लेशियर झीलों का निर्माण होता है।

कथन II: GLOF तब होता है जब प्राकृतिक बांध की विफलता के कारण हिमनद झीलें बड़ी मात्रा में पिघला हुआ पानी छोड़ती हैं, जिसके परिणामस्वरूप अचानक और गंभीर बाढ़ आती है।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

A. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है
B. कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I की सही व्याख्या नहीं है
C. कथन-I सही है लेकिन कथन-II गलत है
D. कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है

Q9. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें

1. संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा को अपने पूरे जीवनचक्र में प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए 2024 के अंत तक एक गैर-बाध्यकारी समझौता विकसित करना है।
2. 60 देशों के उच्च-महत्वाकांक्षा गठबंधन का लक्ष्य 2040 तक प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना है
3. अमेरिका गठबंधन का हिस्सा नहीं है

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Q10. उपचारात्मक क्षेत्राधिकार के संबंध में निम्नलिखित कथन पर विचार करें

1. यह राज्यों और केंद्र सरकार के बीच विवादों में मध्यस्थता करने का एक उपकरण है।
2. इसे सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 2005 में पेश किया गया था
3. इसकी सुनवाई आम तौर पर सुप्रीम कोर्ट के तीन वरिष्ठतम न्यायाधीशों वाली पीठ द्वारा की जाती है

उपरोक्त में से कितने कथन सही है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीनों
D. कोई नहीं

Mentorship India

प्रीलिम्स ट्रैक उत्तर

उत्तर : 1 विकल्प D सही है

व्याख्या:

- मतपत्र के विपरीत, EVM ने वोट डालने की दर को प्रति मिनट चार वोट तक सीमित करके बूथ कैप्चरिंग को प्रभावी ढंग से समाप्त कर दिया है। **कथन 1 गलत है.**
- किसी भी निर्वाचन क्षेत्र में EVM-VVPAT की 5% गणना याद्दच्छिक रूप से सत्यापित की जाती है। **कथन 2 गलत है.**
- सुप्रीम कोर्ट ने हाल के एक फैसले में इस बात से इनकार कर दिया कि वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (VVPAT) इकाइयों से कागज की पर्चियां मतदाताओं को मतपेटियों में डालने से पहले इत्मीनान से देखने के लिए सौंपी जाएं। **कथन 3 ग़लत है**

उत्तर : 2 विकल्प B सही है

व्याख्या

- भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण वित्त मंत्रालय के अधिकार क्षेत्र के तहत एक स्वायत्त और वैधानिक निकाय है।
- भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (IRDAI) ने वर्ष 2047 तक सभी के लिए अपने विज़न इंश्योरेंस के हिस्से के रूप में, भारत में बीमा पैठ बढ़ाने के लिए प्रत्येक बीमाकर्ता को राज्य और केंद्र शासित प्रदेश आवंटित किए हैं।
- बीमा गतिविधियों को झंझट रहित बनाने के लिए IRDAI सामान्य और जीवन बीमा कंपनियों के सहयोग से बीमा ट्रिनिटी - बीमा सुगम, बीमा विस्तार, बीमा वाहक लॉन्च करने की भी योजना बना रहा है।

उत्तर : 3 विकल्प C सही है

व्याख्या:

- अटल पेंशन योजना (APY) एक पेंशन योजना है जो विशेष रूप से भारत में असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों पर लक्षित है। इसे भारत सरकार द्वारा 2015 में लॉन्च किया गया था। **कथन 2 सही है।**
- कोई भी व्यक्ति जो असंगठित क्षेत्र से संबंधित है या केंद्र या राज्य सरकार, या केंद्र या राज्य सरकार के स्वायत्त निकाय/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम में नियमित रोजगार में नहीं है, वह NPS-स्वावलंबन खाता खोल सकता है। **कथन 1 सही है.**
- असंगठित श्रमिक जिनकी मासिक आय 15,000 रुपये प्रति माह या उससे कम है, वे पीएम श्रम योगी मानधन के लिए पात्र हैं। **कथन 3 सही है.**

उत्तर : 4 विकल्प B सही है

व्याख्या:

- SPV क्षमता पैनलों द्वारा बिजली में परिवर्तित करने के लिए व्यावहारिक रूप से उपलब्ध विकिरण की मात्रा है। **कथन 1 सही है.**
- आज की तारीख में, भारत की स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता लगभग 81 गीगावॉट (1 गीगावॉट 1,000 मेगावाट है) या कुल स्थापित बिजली का लगभग 17% है। **कथन 2 गलत है.**
- भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) का सुझाव है कि भारत में कई स्थानों पर उपलब्ध सौर विकिरण की मात्रा में चिंताजनक गिरावट आ रही है, जिसे आर्थिक रूप से सौर पैनलों द्वारा बिजली में परिवर्तित किया जा सकता है। **कथन 3 सही है.**

उत्तर : 5 विकल्प B सही है

व्याख्या:

- भारत में लघु वित्त बैंकों को वास्तव में मुख्य रूप से छोटे और सीमांत किसानों, सूक्ष्म और लघु उद्योगों और अन्य असंगठित क्षेत्र की संस्थाओं की बैंकिंग जरूरतों को पूरा करने का आदेश दिया गया है। **इसलिए, कथन 1 सही है**
- भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) भारत में अन्य अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के साथ-साथ लघु वित्त बैंकों के कामकाज को विनियमित और पर्यवेक्षण करता है। **कथन 2 सही है**
- वास्तव में प्रत्येक लघु वित्त बैंकों को आरबीआई की मंजूरी मिलने के बाद ही अपने उत्पाद की पेशकश के हिस्से के रूप में क्रेडिट कार्ड जारी करने और संपत्ति के बदले ऋण प्रदान करने की अनुमति नहीं है। **कथन 3 गलत है**

उत्तर : 6 विकल्प B सही है

व्याख्या:

- किसी देश के केंद्रीय बैंक द्वारा प्रबंधित विदेशी मुद्रा भंडार, मुख्य रूप से विदेशी मुद्रा बाजार में घरेलू मुद्रा के मूल्य को स्थिर करने का काम करता है। **कथन 1 सही है.**
- इन भंडार का उपयोग मुद्रा बाजारों में हस्तक्षेप करने, अन्य मुद्राओं के सापेक्ष इसके मूल्य को बनाए रखने के लिए घरेलू मुद्रा को खरीदने या बेचने के लिए किया जाता है।
- इनका उपयोग सार्वजनिक निवेश पर सरकारी व्यय को निधि देने के लिए नहीं किया जाता है। **कथन 2 गलत है.**

- जबकि विदेशी मुद्रा भंडार अप्रत्यक्ष रूप से मुद्रास्फीति दर और आर्थिक स्थिरता को प्रभावित करते हैं, उनका मुख्य कार्य मुद्रा स्थिरता सुनिश्चित करना और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और निवेश का समर्थन करना है। **कथन 3 सही है.**

उत्तर : 7 विकल्प C सही है

व्याख्या

- यह मिसाइल, अगली पीढ़ी की विस्तारित स्टैंड-ऑफ हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइल है
- इसे भारत की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए इजरायली रक्षा प्रमुख राफेल एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम्स द्वारा डिजाइन और निर्मित किया गया है।
- यह मिसाइल स्पाइस श्रृंखला की मिसाइलों की क्षमताओं का उपयोग करते हुए हवा में लॉन्च की जाने वाली बैलिस्टिक मिसाइल लक्ष्यों की स्पैरो श्रृंखला से एक स्पिन-ऑफ है।
- मिसाइल में इस्तेमाल होने वाले कई घटकों को भारत से मंगाए जाने के साथ, भारतीय वायुसेना आत्मनिर्भर पहल के तहत एक बड़ा ऑर्डर देने पर विचार कर रही है।
- भारतीय वायुसेना चाहती है कि मिसाइलों का निर्माण भारत में किया जाए।
- अर्ध बैलिस्टिक का मतलब है कि मिसाइल नियमित हवा से जमीन पर मार करने वाली हथियार प्रणाली की तरह फायर नहीं करती और काम नहीं करती।
- विमान का पायलट मिसाइल के प्रक्षेप पथ को क्षैतिज या ऊर्ध्वाधर भी चुन सकता है।
- इसे जमीन के ऊपर, या भूमिगत, और जीपीएस-अस्वीकृत क्षेत्रों में पिनपॉइंट सटीकता के साथ भारी किलेबंद लक्ष्यों पर उच्च मूल्य वाले स्थिर और स्थानांतरित करने योग्य लक्ष्यों पर हमला करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। **अतः सभी कथन सही हैं**

उत्तर : 8 विकल्प B सही है

व्याख्या

- ग्लेशियरों की गति से क्षरण होता है और आसपास की स्थलाकृति में अवसाद पैदा होता है।
- जब वे पीछे हटते हैं, तो पिघला हुआ पानी ऐसे गड्ढों में जमा होने लगता है, जिससे ग्लेशियर झीलों का निर्माण होता है।
- इसरो ने हिमनदी झीलों को उनके निर्माण के तरीके के आधार पर - मोराइन-बांधित, बर्फ-बांधित, कटाव-आधारित, और 'अन्य' चार व्यापक श्रेणियों में वर्गीकृत किया है।
- कटाव-आधारित झीलें तब बनती हैं जब पानी कटाव-निर्मित अवसादों द्वारा अवरुद्ध हो जाता है।
- "GLOF तब होता है जब प्राकृतिक बांध की विफलता के कारण हिमनद झीलें बड़ी मात्रा में पिघला हुआ पानी छोड़ती हैं, जिसके परिणामस्वरूप अचानक और गंभीर बाढ़ आती है।

उत्तर : 9 विकल्प C सही है

व्याख्या

- 2022 में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा ने अपने पूरे जीवनचक्र में प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने के लिए 2024 के अंत तक कानूनी रूप से बाध्यकारी संधि विकसित करने पर सहमति व्यक्त की है ।
- उच्च-महत्वाकांक्षा गठबंधन: 60 देशों के उच्च-महत्वाकांक्षा गठबंधन, जिसमें यूरोपीय संघ के देश, द्वीप राष्ट्र, जापान और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं, का लक्ष्य कानूनी रूप से बाध्यकारी प्रावधानों के साथ 2040 तक प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करना है।
- संयुक्त राज्य अमेरिका HAC का हिस्सा नहीं है

उत्तर : 10 विकल्प A सही है.

व्याख्या:

- भारत में उपचारात्मक क्षेत्राधिकार सर्वोच्च न्यायालय में निहित असाधारण शक्ति को संदर्भित करता है, जिसके तहत वह अपने स्वयं के निर्णयों को सही कर सकता है, भले ही वे अंतिम हो गए हों। **कथन 1 गलत है।**
- यह अधिकार क्षेत्र सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 2002 में अपने निर्णयों में त्रुटियों को सुधारने के साधन के रूप में पेश किया गया था, जिसके कारण न्याय में चूक या मौलिक अधिकारों का उल्लंघन हो सकता था। **कथन 2 गलत है।**
- क्यूरेटिव पिटीशन पर आम तौर पर सुप्रीम कोर्ट के तीन वरिष्ठतम न्यायाधीशों की पीठ द्वारा सुनवाई की जाती है और केवल असाधारण मामलों में ही विचार किया जाता है, जहां याचिकाकर्ता यह साबित कर सकता है कि न्याय में घोर चूक हुई है। **कथन 3 सही है।**

Azadi Ka Amrit Mahotsav

स्वच्छ भारत

Mentorship India

Our mission is crystal clear – to provide the finest UPSC mentorship and guidance available in India. We recognize that the path to success in the UPSC examination is both demanding and multifaceted. This is precisely why we have developed a comprehensive approach that goes beyond conventional coaching. Our commitment lies in fostering excellence by equipping aspirants with the necessary tools, knowledge, and unwavering support to not only excel in the examination but also in life itself.

Mentorship India represents more than just an organization; it is a community of ambitious individuals bound together by the shared objective of conquering the UPSC examination. We warmly invite you to embark on this transformative journey alongside us. Whether you are a novice taking your initial steps or a seasoned aspirant aiming for the pinnacle, Mentorship India is your dependable companion in the relentless pursuit of excellence.

+91 9999 057869
www.mentorshipindia.com

A-92, Third Floor, Hari Nagar
Delhi - 110064

@mentorship.india

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

Digital India
Power To Empower

G20
भारत 2023 INDIA

MAKE IN INDIA